

## बुद्धि परीक्षण के प्रकार

### (1) व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण (Individual Intelligence Test)

- \* इसमें 38 प्रश्न होते हैं।
- \* यह  $1\frac{1}{2}$  वर्ष  $5\frac{1}{2}$  वर्ष के बच्चों के लिए है।
- \* इन परीक्षणों में भाषा का प्रयोग नहीं होता है।
- \* एक समय में एक ही व्यक्ति की परीक्षा की जाती है।

### (2) सामूहिक बुद्धि परीक्षण (Group Intelligence Test)

- \* प्रथम विश्व युद्ध के समय (1914-1918) में सेना अर्थ के लिए किया गया था।
- \* सामूहिक परीक्षा के लिए विने एवं टर्मेन के बुद्धि परीक्षण सिद्धान्तों को स्वीकार ले किया गया परन्तु उनके आधार पर अलग से परीक्षाएँ निर्मित की गयीं।

(A)

{ **शाब्दिक बुद्धि परीक्षण**  
Group Verbal test of Intelligence }

(B)

{ **अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण**  
Non-verbal test of Intelligence }

### (3) (क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण) (4) समय-सीमा युक्त परीक्षण (5) समय-सिमा रहित परीक्षण

- \* इसके माध्यम से उन व्यक्तियों का परीक्षण किया जाता जो भाषा प्रयोग नहीं कर सकते जैसे - बूढ़े, बहरे, अन्धे तथा अक्षिप्त व्यक्ति।
- \* अतः क्रियात्मक परीक्षण इस प्रकार के लोगों के लिए उपयुक्त।

→ (A) आकृति फार्म परीक्षण (Form board Test)

→ (B) चित्रांकन परीक्षण (Picture drawing test)

→ (C) चित्रपूर्ति परीक्षण (Picture Completion test)

→ (D) वस्तु सीमोजन परीक्षण (Object Assembly test)

→ (E) भूल-भुलैया परीक्षण (Maze test)

## कुछ अन्य बुद्धि परीक्षण (Imp) Most important

### (1) व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण

- ↳ बैशलेट-बैलेविन इन्टेलीजेन्स टेस्ट } 10 वर्ष तक
- ↳ डायन्स समेन टेस्ट
- ↳ भारिया का निष्पादन परीक्षण
- ↳ कोहलर का ब्लॉक डिजाइन टेस्ट
- ↳ आर्थर का निष्पादन परीक्षण
- ↳ एलेक्जेंडर का पास खलांग परीक्षण

### (A) सामूहिक शाब्दिक बुद्धि परीक्षण

- ↳ अमेरिका में - आर्मी अल्फा परीक्षण, थॉर्नडायक का CAVD परीक्षण, टर्मेन मेकेनेयर सामूहिक परीक्षण,
- ↳ भारत में - डॉ. जलोटा ने (1932) में, डॉ. मोरे ने (1921), डॉ. सी. एच. रस एवं डॉ. भारिया ने कार्यात्मक पत्रक तैयार किया।

1. सामूहिक बुद्धि परीक्षण (12-18 वर्ष तक) - निर्माणकर्ता पी. ओ. मैला

2. साधारण मानसिक योग्यता (12-16 वर्ष तक) - एस. जलोटा

3. शाब्दिक वैश्लेषिक परीक्षण (VIII, X एवं XI स्तर) - व. प. लूरो व Psychology

4. टेस्ट आफ जनरल मेण्डल एबिलिटी (10 से 16 वर्ष तक) - शिक्षा विभाग गोरखपुर

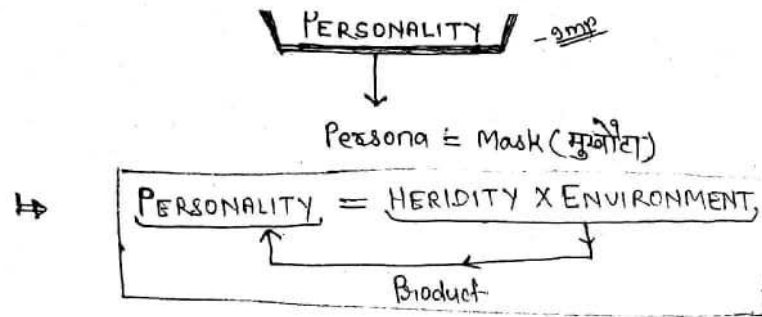
5. CIE शाब्दिक सामूहिक परीक्षण (11 से 14 वर्ष तक) - CIE-Delhi

### (B) सामूहिक अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण

- ↳ आर्मी बीटा परीक्षण
- ↳ शिकागो अशाब्दिक परीक्षण भाग-1
- ↳ पिजन अशाब्दिक परीक्षण A-I.P. 70/23
- ↳ रैवन प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज परीक्षण

### (C) - आकृति फलक परीक्षण

- ↳ त्रिभुजकार
- ↳ गोलाकार
- ↳ अर्द्धगोलाकार
- ↳ चतुर्भुजीय
- ↳ त्रिकोणीय



### BAJ MEANING AND CONCEPT OF PERSONALITY

व्यक्तित्व की अवधारणा एवं अर्थ

- 1] - मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण (फ्रायड) - इसके जन्मदाता फ्रायड हैं जिन्होंने व्यक्तित्व को तीन भागों में बांटा है।
- (a) इडम (Id) :- व्यक्ति की मूल प्रवृत्ति और प्राकृतिक इच्छाएँ निहित हैं। इडम मन में स्थित प्रकृतिक शक्तियाँ हैं जो अवोध या अज्ञान की अवस्था में मृत हैं।
- (b) अहम (Ego) :- इसका सम्बन्ध इड (Id) और अहम (Ego) दोनों से होता है। इसमें चेतना, इच्छाशक्ति, बुद्धि तथा तर्क का समावेश होता है।
- (c) परम अहम (Super Ego) :- यह व्यक्ति आदर्श तथा नैतिक मन होता है जो सुख, क्षणिक सुख और भौतिकता से संचालित न होकर यथार्थता से संचालित होता है अर्थात् जिस व्यक्ति का Super Ego जितना अधिक होगा उसका व्यक्तित्व उतना ही अधिक होगा।

2] - मनोविद या मनोवैज्ञानिक के अनुसार - व्यक्तित्व में वैज्ञानिक एवं वातावरण दोनों को महत्व प्रदान करता है। (मार्टन वुडवर्थ)

- [3] - दार्शनिक दृष्टिकोण से - व्यक्तित्व का अर्थ व्यक्ति के आत्मज्ञान से है।
- [4] - समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से - व्यक्तित्व संस्कृति का वैयक्तिक पक्ष है तथा व्यक्ति पर एक सामाजिक प्रभाव होता है (फारिस)
- [5] - व्यवहारिक दृष्टिकोण से - व्यक्तित्व का अर्थ किसी व्यक्ति के व्यवहार का समग्र गुण ही व्यक्तित्व है।

### DEFINITION OF PERSONALITY

- [1] अलपोर्ट (Allport) :- "व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनोवैज्ञानिक गुणों का गत्यात्मक संग्रह है जो परिवेश के प्रति होने वाले उसके संपूर्ण अभियोजन का निर्णय करता है" Personality is the dynamic organization with in the individual of those psychological systems that determine his unique adjustment to his environment"
- [2] गिलफोर्ड (Guilford) :- "Personality is an undivided whole"
- [3] - वोरिंग - "व्यक्तित्व वातावरण के साथ सम्बन्ध एवं स्पष्ट समायोजन करने का प्रतिक्रिया है।"
- [4] - वाटसन (Watson) - "हम जो कुछ करते हैं वही व्यक्तित्व है"
- [5] मार्टन प्रिंस (Morton Prince) - "व्यक्तित्व समस्त शारीरिक तथा अजित वृत्तियों का योग है।" Personality is the sum of total of all the biological & innate and acquired tendencies"

### IMPORTANT POINT

## TYPES OF PERSONALITY

✶ क्रेश्मर (Kreschmer) → (a) पिकनिक (Picnic) (b) एस्थेनिक (Asthenic)  
(शरीर संरचना) (c) एथलेटिक (Athletic) (d) डिस्प्लास्टिक (Dysplastic)

- क्रेश्मर ने यह निष्कर्ष निकाला कि एस्थेनिक, एथलेटिक शारीरिक रचना वाले व्यक्ति क्षमीले, अकेले रहने तथा संवेदनशील होते हैं। वे सामाजिक सम्पर्कों से अलग रहते हैं। विवाह में अधिक समय बिताते हैं।
- पिकनिक प्रकार के लोग वातुनी, दयालु तथा सामाजिक सम्पर्क रखने वाले होते हैं।

✶ कपिल मुनि → (a) रजोगुण (b) महा तम् (तमोगुण)  
(स्वभाव)

✶ थार्नडाईक → (a) शूद्रम (b) प्रयुक्त (c) स्थूल  
(चिन्तन)

✶ युंग (मनोविश्लेषणवादी) → (a) अन्तर्मुखी (b) बहिर्मुखी (c) अग्रयमुखी  
(मनोविज्ञान)

- युंग के इस सिद्धान्त को सार्वमान्य सिद्धान्त भी कहते हैं।
- अन्तर्मुखी व्यक्ति चिन्तनशील होते हैं अपनी ओर केंद्रित रहते हैं। कर्तव्यपरायण होते हैं, प्रति प्रतिस्पर्धाकारी तथा कष्टों के प्रति स्तब्ध रहते हैं।
- बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति रूचि बाह्य जगत् में होती है। अन्तर्मुखी विषयों में रूचि नहीं होती है।
- अग्रयमुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति जो दोनों का समिश्रण होते हैं उन्हें अग्रयमुखी या विकासोन्मुखी कहते हैं।

↳ शेल्डन → (a) एन्डोमर्फिक (b) मेसोमर्फिक (c) एक्टोमर्फिक

↳ विलियम जेम्स → (a) कोमल हृदय वाला (b) कठोर हृदय वाला

✶ न्यूमैन तथा स्टर्न → (a) विश्लेषणात्मक (b) संश्लेषणात्मक

↳ शेल्डन → (a) कोमल एवं गोलाकार (b) आयताकार (c) लम्बाकार

↳ आधुनिक वर्गीकरण → (a) भावुक (b) कर्मशील (c) विचारशील

## MEASUREMENT OF PERSONALITY

(1) Non-Projective Methods

(2) Projective Methods

(A) Subjective Methods  
(आत्मनिष्ठ विधियाँ)

1. साक्षात्कार विधि (Interview Method)
2. आत्मकथा विधि (Autobiography)
3. जीवन इतिहास विधि (Case history Method)
4. अवलोकन या सूची विधि या प्रश्नावली विधि (Observation, Inventory, Questioning Method)

(B) Objective Method  
वस्तुनिष्ठ विधियाँ

- (1) Rating Scale (निर्धारण मापनी)
  - Checklist
  - अंकिक मापनी
  - Graphical मापनी
  - क्रमिक मापनी
  - वाक्य-चयन मापनी
  - स्थिति मापनी
- (2) Inventory or Questionnaire (सूची विधि या प्रश्नावली विधि)
- (3) Situation Test

- ↳ (a) Sociometry (समाजमिति)
- (b) Psychodrama (मनोअभिनय)

(2) - Projective Method

1. Associative Technique (साहचर्य तकनीक)
2. Constructional Technique (रचना " " )
3. Completion Technique (पूर्ति " " )
4. Ordering Technique (क्रम " " )
5. Expression Technique (अभिव्यक्ति " " )

### Main Point

↳ Rating Scale की शुरुआत फ्रेडरिक महोदय ने किया लेकिन इसके प्रकाशन का वास्तविक श्रेय गाल्टन महोदय को जाता है।

↳

↳

### Most Important Methods

Ss No	METHODS	SCIENTIST	DISCRIPTION (विवरण)
	I.B.T. (Ink-Block Test) (रंगब्लॉक परीक्षण)	हरमन रोसाच (Herman Roschach) Roschach test	→ इसमें 10 स्क्वार् के धब्बे प्रयोग होता था → 5 (फाले रंग के), 2- (धूसर रंग के धब्बे) 3 (फाले तथा लाल पूर्णरूपेण रंगदार थे) → मूल्यांकन - (1) स्थापन निर्धारण (2) निष्पत्ति (3) विषय बहस
	T.A.T (Thematic Aperception Test) उपसंगोच	Marie & Morgan (मारे, मॉर्गन) (1935) से	→ इसमें कुल 30 कार्डों का प्रयोग किया गया तथा एक दूसरे से भिन्न होते हैं → सिर्फ 1 कार्ड पर कोई चित्र नहीं होता है। → पूरे परीक्षण में 20 चित्रों का प्रयोग किया जाता है
	C.A.T (Child-Aperception) Test	Leopold Bailok (लिओपोल्ड बैलोक)	→ इसमें 10 कार्ड होते हैं जिसपर जानवरी चित्र होता है।
	S.A.T (Sentence Aperception Test)	Leopold Bailok (लिओपोल्ड बैलोक)	→ इसमें अधूरी कहानी होती है जैसे - मेरा जी चाहता है मैं नदी में - - - - ? को सम्पलीत करना होता है।

### → Good Characteristic of Personality

- |                                  |                         |
|----------------------------------|-------------------------|
| 1 - शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य | 8 - ठूढ़ संकल्प शक्ति   |
| 2 - आत्म चेतना                   | 9 - संतोष               |
| 3 - सामाजिकता                    | 10 - उच्चों का आकांक्षा |
| 4 - समंजनशीलता                   | 11 - उद्देश्यपूर्णता    |
| 5 - संवेगिक स्थिरता              | 12 - विकास की निरंतरता  |
| 6 - समग्रता                      | 13 - चारित्रिक पूर्णता  |
| 7 - स्वीकृति                     |                         |

PLACE FOR 'U' FOR Question

## [ चिन्तन ] [ Thinking ]

- ↳ चिन्तन एक मानसिक प्रक्रिया है जो सभी प्राणीमो में मिलती होती है कुछ जीवों ने इसे वातावरण से मिलने वाली सूचनाओं का मानसिक जोड़-तोड़ बताया है तो
- ↳ किसी ने एक ऐसी मध्यस्त प्रक्रिया माना है जो किसी समस्या (उद्दीपन) तथा उसका समाधान यानी सही अनुक्रिया के मध्य या बीच में होती है।

**सिल्वरमैन** — चिन्तन एक ऐसी प्रक्रिया मानसिक प्रक्रिया है जो हमलोगों को उद्दीपन तथा घटनाओं के प्रतिफलक चित्रण द्वारा किसी समस्या का समाधान करने में मदद करता है।

## q.m.f [ चिन्तन के उपकरण या साधन ] [ Sources or Instrument of Thinking ]

- (1) **प्रतिमाएँ (Image)** :- मानव अनुभव प्रतिमाओं के आधार पर व्यक्त होता है। हम जो देखते हैं (दृश्यप्रतिमा), एवं सुनते हैं (श्रव्यप्रतिमा) जो करते हैं सभी का आधार में विकसित क्षेत्र प्रतिमा होती है।
- (2) **भाषा (Language)** :- चिन्तन करते समय व्यक्ति भाषा का प्रयोग करते हैं। अर्थात् हम अपने आप से बात करते हैं। इसलिए कहा गया है कि चिन्तन एक प्रकार की आन्तरिक भाषण है।
- (3) **समप्रत्यय (Concept)** :- चिन्तन में व्यक्ति भिन्न-2 तरह के समप्रत्यय का प्रयोग करते हैं। प्रत्येक वस्तु या घटना का एक समप्रत्यय व्यक्ति के मन में होता है। जो चिन्तन में मदद करता है।
- (4) **प्रतीक एवं चिह्न (Symbol and Sign)** :- वोरिंग, लैंगफील्ड एवं वेल्ले ने लिखा है। — "प्रतीक एवं चिह्न मोहरे एवं गोठियाँ हैं। जिनके द्वारा चिन्तन का महान खेल खेला जाता है।"
- (5) **सूत्र (Formula)** :- हमारी प्राचीन परम्परा रही है। कि हम ज्ञान को छोटे-छोटे सूत्रों में संक्षिप्त करके संचित करते हैं। इनमें गणित, विज्ञान के सूत्र आते हैं।

## [ चिन्तन के प्रकार ] [ Types of Thinking ]

- (1) **स्वली चिन्तन (Aesthetic Thinking)**
- (2) **यथार्थवादी चिन्तन** — (a) अभिसारी चिन्तन या निगमनात्मक चिन्तन (Realistic Thinking) (b) सृजनात्मक चिन्तन (c) आलोचनात्मक चिन्तन
- (3) मूर्त एवं अमूर्त चिन्तन
- (4) अपसारी एवं ~~अभिसारी चिन्तन~~

[1] **स्वली चिन्तन (Aesthetic Thinking)** :- स्वली चिन्तन वैसे चिन्तन को कहा जाता है। जिसमें व्यक्ति अपने काल्पनिक विचारों एवं इच्छाओं को व्यक्त करता है। स्वप्न चित्र स्वली चिन्तन का उदाहरण है।

[2] **यथार्थवादी चिन्तन** — यथार्थवादी चिन्तन ऐसे चिन्तन को कहा जाता है जिसका सम्बन्ध वास्तविकता से होता है।

(a) **अभिसारी चिन्तन या निगमनात्मक चिन्तन** — इस चिन्तन में कोई व्यक्ति दिये गये तथ्यों के आधार पर कोई दिये गये सही निष्कर्ष पर पहुँचता है। इस प्रकार की चिन्तन प्रक्रिया में किसी भी विषय पर रूढ़ांगी चिन्तन किया जाता है।

[4] **अपसारी चिन्तन** — अपसारी चिन्तन के अन्तर्गत व्यक्ति एक ही व्यवस्था का भिन्न-2 रूपों में चिन्तन करता है इस चिन्तन के माध्यम से व्यक्ति एक ही समस्या का समाधान भिन्न-2 विधियों से करने पर विचार करता है।

(b) **सृजनात्मक चिन्तन** — इस तरह के चिन्तन में व्यक्ति दिये गये तथ्यों में अपनी ओर से कुछ नया जोड़कर निष्कृत निष्कर्ष पर पहुँचता है।

(c) **आलोचनात्मक चिन्तन** — इस तरह के चिन्तन में व्यक्ति किसी कला या तथ्य की सच्चाई को स्वीकार करने से पहले उसके गुणदोष की परख कर लेता है।